प्रगति प्रतिवेदन

2015 – 16

(01.04.2015 से 31.12.2015 तक)

JAIPUR METRO

जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लि.

खनिज भवन, तिलक मार्ग, जयपुर–302005

प्रगति प्रतिवेदन 2015 – 16 (01.04.2015 से 31.12.2015)

1. पृष्ठभूमि :

- वर्ष 2001 में जयपुर शहर की जनसंख्या 23 लाख थी, जो वर्ष 2011 में 31 लाख हो गई एवं वर्ष 2031 में 81 लाख होनी अनुमानित है।
- विस्तृत ट्रेफिक सर्वे रिपोर्ट के अनुसार पब्लिक ट्रान्सपोर्ट का जयपुर के कुल यातायात में 19 प्रतिशत ही हिस्सा है, जो कि गत वर्षों की तुलना में निरन्तर घट रहा है। राष्ट्रीय शहरी यातायात योजना (एनयूटीपी) का एक मुख्य उद्देश्य कुल यातायात में पब्लिक ट्रांस्पोर्ट का हिस्सा बढ़ाना तथा इसको प्राथमिकता प्रदान करना है। अतः वर्ष 2031 तक जयपुर के कुल यातायात में पब्लिक ट्रांसपोर्ट का हिस्सा बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने के लक्ष्य की प्राप्ति, ऊर्जा संचय, प्रदूषण में कमी तथा निजी वाहनों के उपयोग को हतोत्साहित किये जाने हेतु मेट्रो रेल परियोजना की क्रियान्विति आवश्यक समझी गई और अप्रेल 2010 में राज्य सरकार द्वारा परियोजना के क्रियान्वयन की सैद्धान्तिक स्वीकृति प्रदान की गई।
- जयपुर मेट्रो रेल परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन से तैयार करवाई गई। जिसके अनुसार परियोजना को दो चरणों में क्रियान्वित किया जाना है।

- जयपुर मेट्रो रेल परियोजना के प्रथम चरण, जिस पर वर्तमान में काम चालू है, के मुख्य बिन्दु निम्न प्रकार हैं :–

विवरण	फेज–1ए	फेज–1बी	कुल फेज–1
कहाँ से कहाँ तक	मानसरोवर से चाँदपोल	चाँदपोल से बड़ी चौपड़	मानसरोवर से बड़ी चौपड़
एलिवेटेड रूट की लम्बाई (कि.मी.)	9.1	-	9.1
भूमिगत मार्ग की लम्बाई (कि.मी.)	0.5	2.4	2.9
मार्ग की कुल लम्बाई (कि.मी.)	9.6	2.4	12.0
एलिवेटेड स्टेशन	8	-	8
भूमिगत स्टेशन	1	2	3
कुल स्टेशन	9	2	11
कुल लागत (करोड़ रू. में)	2023	1126	3149
फाइनेंसियल इन्टरनल रेट ऑफ रिटर्न (FIRR)	-	-	8.24%
कोचेज की आवश्यकता	32	8	40
व्यावसायिक परिचालन की तारीख	3 जून, 2015 से आरम्भ	मार्च 2018 तक पूरा करने का लक्ष्य	-
क्रियान्वयन की विधि	ई.पी.सी.	ई.पी.सी.	-
क्रियान्वयन एजेन्सी	दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन	जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन	-

- द्वितीय चरण में सीतापुरा से अम्बाबाड़ी तक लगभग 24 कि.मी. की लम्बाई में मेट्रो प्रस्तावित है। जिसकी डीपीआर की समीक्षा प्रक्रियाधीन है।

- **DPR में प्रस्तावित मेट्रो स्टेशनों की सूचना निम्न प्रकार है :**

	एलिवेटेड स्टेशन	भूमिगत स्टेशन
प्रथम चरण (फेज–1ए)	1. मानसरोवर 2. न्यू आतिश मार्केट 3. विवेक विहार 4. श्याम नगर 5. रामनगर 6. सिविल लाईन्स 7. रेलवे स्टेशन 8. सिन्धी कैम्प	1. चाँदपोल
प्रथम चरण (फेज–1बी)	शून्य	1. छोटी चौपड़ 2. बड़ी चौपड़
द्वितीय चरण (प्रस्तावित)	1. सीतापुरा 2. प्रताप नगर 3. हल्दी घाटी गेट 4. दुर्गापुरा 5. महावीर नगर 6. गोपालपुरा 7. देव नगर 8. टोंक फाटक 9. गांधी नगर मोड़ 10. सवाई मानसिंह स्टेडियम 11. नारायण सिंह सर्किल 12. सवाई मानसिंह अस्पताल 13. अम्बाबाड़ी	1. सांगानेर 2. एयरपोर्ट 3. अजमेरी गेट 4. गवर्नमेन्ट होस्टल 5. सिन्धी कैम्प 6. कलेक्ट्रेट सर्किल 7. पानी पेच

- **जयपुर मेट्रो रेल परियोजना की अनुमानित लागत निम्न प्रकार है :**

  प्रथम चरण 3149 करोड रूपये (मार्च 2012 की DPR अनुसार)

  द्वितीय चरण 10394 करोड रूपये (जुलाई 2014 की DPR अनुसार)

  कुल योग 13543 करोड रूपये

- जयपुर मेट्रो रेल परियोजना के उद्देश्य निम्न प्रकार हैं :
  - सड़क यातायात के दबाव को कम करना।

- यातायात में पब्लिक ट्रांसपोर्ट की भागीदारी बढ़ाना।
- यातायात प्रणाली में सुधार करना।
- जयपुर शहर की विरासत, समृद्ध संस्कृति एवं स्वरूप को बनाये रखना।
- पर्यावरण तथा ईको सिस्टम में सुधार लाना।
- शहर की भावी यातायात मांग को पूर्ण करना।
- निजी वाहनों पर अपव्यय को रोकना।

- जयपुर मेट्रो संचालन से फायदे निम्न प्रकार हैं :
  - वायु एवं ध्वनि प्रदूषण से बचाव।
  - आवागमन में श्रम, समय एवं धन की बचत।
  - सड़क की तुलना में (प्रतियात्री कि.मी.) 1/5 ऊर्जा का व्यय।
  - ट्रैफिक जाम से छुटकारा।
  - सड़क दुर्घटनाओं में कमी।
  - आरामदायक व सुरक्षित सफर।

- परियोजना के प्रथम चरण के अन्तर्गत फेज–1ए (मानसरोवर से चाँदपोल तक) के सिविल निर्माण कार्य को डिपोजिट वर्क के आधार पर पूर्ण कराने के लिये जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के द्वारा दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के साथ दिनांक 5 अगस्त, 2010 को अनुबन्ध किया गया। इसी भाग में रोलिंग स्टोक एवं सिंग्नलिंग तथा टेलीकॉम कार्य के लिए जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन द्वारा दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के साथ दिनांक 14 अगस्त, 2012 को एक अनुपूरक अनुबन्ध किया गया। जयपुर मेट्रो रेल परियोजना पर फरवरी, 2011 से काम शुरू किया गया।

- परियोजना के फेज–1बी का निर्माण कार्य जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन द्वारा अपने स्तर पर कराया जा रहा है जिस हेतु दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन

(DMRC) को जनरल कंसल्टेन्ट नियुक्त किया गया है तथा मैसर्स कॉन्टिनेन्टल इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन (M/S CEC) को सिविल कार्यों का ठेका दिया गया है।

- जयपुर मेट्रो रेल परियोजना के निर्माण कार्यों के प्रभावी संचालन एवं नीतिगत निर्णय हेतु मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्चाधिकार प्राप्त समिति (High Power Committee) का गठन किया गया है।

- केन्द्र सरकार द्वारा राजस्थान सरकार की सहमति के पश्चात् मेट्रो रेल्वेज (कन्सट्रक्शन एण्ड वर्क्स) एक्ट, 1978 एवं मेट्रो रेल्वेज (ऑपरेशन एण्ड मैन्टीनेन्स) एक्ट, 2002 को दिनांक 14.01.2011 से जयपुर शहर में लागू किया गया है।

2. <u>जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन का संगठनात्मक ढांचा</u> :

- जयपुर मेट्रो रेल परियोजना की क्रियान्विति हेतु राज्य सरकार के उपक्रम के रूप में जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड का पंजीकरण दिनांक 1 जनवरी 2010 को कम्पनी अधिनियम 1956 के अन्तर्गत कराया गया है।

- कॉरपोरेशन के गठित निदेशक मण्डल में वर्तमान में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एवं 4 पूर्णकालिक निदेशकों के अलावा राज्य सरकार द्वारा मनोनीत 10 अन्य निदेशक सम्मिलित हैं।

- जयपुर मेट्रो रेल परियोजना के क्रियान्वयन हेतु भारतीय प्रशासनिक सेवा के एक वरिष्ठ अधिकारी को कॉरपोरेशन के पूर्णकालिक अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक के रूप में पदस्थापित किया गया है एवं कॉरपोरेशन में चार निदेशालयों का निम्नानुसार गठन किया गया है जो पूर्णकालिक निदेशकों के नेतृव में प्रभावी ढंग से कार्य कर रहे हैं :

	निदेशालय	मुख्य कार्य
1	परियोजना निदेशालय	परियोजना का क्रियान्वयन
2	परिचालन एवं प्रणाली निदेशालय	मेट्रो ट्रेन का संचालन एवं यात्रियों की सुरक्षा, प्रणाली का अनुरक्षण
3	कम्पनी मामलात निदेशालय	मानव संसाधन, सामान्य प्रशासन, प्रॉपर्टी डवलपमेन्ट, सूचना प्रोद्योगिकी, जन सम्पर्क, आदि
4	वित्त निदेशालय	वित्त एवं लेखा सम्बन्धी कार्य

3. जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन में स्वीकृत – कार्यरत तथा रिक्त पदों का विवरण :

- परियोजना की समयबद्ध क्रियान्विति व जयपुर मेट्रो के संचालन हेतु राज्य सरकार द्वारा कॉरपोरेशन में 472 पद स्वीकृत किए गए हैं, जिनका विवरण निम्न है:–

क्र. सं.	पदनाम	स्वीकृत पदों की संख्या	कार्यरत	रिक्त पद
1.	प्रबन्ध निदेशक	1	1	–
2.	निदेशक	4	4	–
3.	कार्यकारी निदेशक	6	6	–
4.	महाप्रबन्धक	8	5	3
5.	संयुक्त महाप्रबन्धक	4	4	–
6.	निजी सचिव	5	5	–
7.	उप महाप्रबन्धक	6	6	–
8.	कम्पनी सचिव	1	1	–
9.	प्रबन्धक	14	13	1
10.	ट्रेवलिंग इन्स्पेक्टर ऑफ एकाउन्ट्स	1	1	–
11.	तहसीलदार	1	–	1
12.	विधिक अधिकारी	1	1	–
13.	जन सम्पर्क अधिकारी	1	1	–
14.	वरि. कार्यकारी अधिकारी (लेखा)	1	1	–
15.	स्टेशन अधीक्षक	5	4	1
16.	सेक्शन इंजीनियर	1	1	–
17.	कार्यकारी अधिकारी (लेखा)	3	3	–
18.	कार्यकारी अधिकारी (मानव संसाधन/प्रशासन)	1	1	–
19.	स्टेशन कन्ट्रोलर/ट्रेन ऑपरेटर	73	57	16
20.	कनिष्ठ अभियन्ता	94	90	4
21.	स्टेनोग्राफर	1	1	–
22.	कनिष्ठ लेखाकार	2	1	1
23.	कस्टमर रिलेशन्स असिस्टेन्ट	50	44	6
24.	हार्डवेयर एण्ड नेटवर्क असिस्टेन्ट	1	1	–
25.	मेन्टेनर	183	173	10
26.	पटवारी/ अमीन	4	1	3
कुल		**472**	**426**	**46**

- कॉरपोरेशन में उपरोक्तानुसार स्वीकृत 472 पदों में से केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार के विभिन्न विभागों/उपक्रमों/ निगमों/बोर्डों/संस्थाओं से प्रतिनियुक्ति पर भरने के 64 पद तथा सीधी भर्ती के 408 पद शामिल हैं। अतिरिक्त मानव संसाधनों की आवश्यकता की पूर्ति हेतु आउटसोर्सिंग एजेन्सी व सेवानिवृत अधिकारियों/ कर्मचारियों की सेवाएं ली जाती हैं।

4. जयपुर मेट्रो परियोजना के निर्माण की अब तक की प्रगति :

अ. प्रथम चरण :–

- जयपुर मेट्रो रेल परियोजना के फेज–1ए (मानसरोवर से चांदपोल) का निर्माण कार्य पूर्ण होकर इसका व्यवसायिक संचालन दिनांक 03 जून, 2015 से प्रारम्भ किया जा चुका है।
- जयपुर मेट्रो रेल परियोजना के फेज 1बी के अन्तर्गत चांदपोल से बड़ी चौपड़ तक 2.4 किमी. लम्बी भूमिगत मेट्रो लाईन का निर्माण कराया जा रहा है। एक किलो मीटर की लम्बाई में टनल निर्माण का कार्य किया जा चुका है। टनल निर्माण के साथ ही बड़ी चौपड़ व छोटी चौपड़ पर भूमिगत स्टेशनों का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है।
- इस फेज–1बी हेतु ADB से 969 करोड़ रूपये के ऋण का अनुबन्ध मई, 2014 में हो चुका है। कॉरपोरेशन को ADB से माह दिसम्बर 2015 के अंत तक 103.64 करोड रूपये ऋण के रूप में राजस्थान सरकार के मार्फत प्राप्त हो चुके हैं।

ब. द्वितीय चरण :–

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (जुलाई 2014) के अनुसार जयपुर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट का द्वितीय चरण सीतापुरा से अम्बाबाड़ी तक 23.80 किलोमीटर की लम्बाई में प्रस्तावित है, जिसकी कुल अनुमानित लागत 10394 करोड़ रूपये है। वर्तमान में इस DPR की समीक्षा तथा इसे पीपीपी मोड पर क्रियान्वित करने की प्रारम्भिक कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

5. जयपुर मेट्रो के संचालन संबन्धी विवरण –

जयपुर मेट्रो रेल कॉरपरेशन ने 3 जून 2015 से 31 दिसम्बर 2015 तक मेट्रो ट्रेनों का सफल संचालन कर प्रथम सात माह में 62,84,446 यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचाया। इस अवधि में टिकटों से कुल रूपये 6,71,23,544 की राजस्व प्राप्ति हुई।

जयपुर मेट्रो में प्रथम 07 माह (जून से दिसम्बर, 2015) के परिचालन में प्रतिदिन औसत यात्रियो की संख्या 30,038 रही है :–

Month	Total Ridership (Nos.)	Average Daily Ridership
June, 2015	1443448	52489
July, 2015	995345	32108
August, 2015	905867	29222
September, 2015	785987	26200
October, 2015	756253	24395
November, 2015	716323	23877
December, 2015	681223	21975
Total of first 7 months	**6284446**	**30038**

6. आलौच्य वर्ष की विशेष पहल एवं उपलब्धियाँ –

- मानसरोवर से चाँदपोल तक 9.6 कि.मी. लम्बी जयपुर मेट्रो रेल परियोजना (फेज–1ए) के समस्त निर्माण कार्य पूरे कराये जाकर, इस मेट्रो लाईन के संचालन के लिए सुरक्षा प्रमाणीकरण की प्रक्रिया को भी पूरा कराया गया। परियोजना का निर्माण कार्य परियोजना की मूल लागत सीमा (रू. 2023 करोड़) में ही पूरा कराया गया है।
- जयपुर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट फेज–1ए का कार्य पूर्ण होने के पश्चात् माननीया मुख्यमंत्री महोदया के द्वारा दिनांक 03.06.2015 को हरी झण्डी दिखाकर मेट्रो के व्यवसायिक संचालन का शुभारम्भ किया गया है। संचालन के प्रथम सात माह में 62,84,446 यात्रियों ने मेट्रो से यात्रा की है।
- शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 27 नवम्बर, 2015 को जयपुर मेट्रो रेल परियोजना (फेज–1ए) को ''बेस्ट अरबन मास ट्रांजिट प्रोजेक्ट'' केटेगरी में

"commendable emerging initiative" के रूप में विशेष अवार्ड प्रदान किया गया है।

- जयपुर मेट्रो के स्टेशनों पर विशेष योग्यजनों के लिए बाधामुक्त वातावरण निर्मित करने में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए राज्य सरकार के निदेशालय विशेष योग्यजन ने दिनांक 7 दिसम्बर, 2015 को जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन को 2015–16 के लिए ''राज्य स्तरीय विशेष योग्यजन पुरस्कार'' के रूप में प्रशस्ति पत्र प्रदान किया है।
- 'ग्रीन एनर्जी' मिशन के तहत जयपुर मेट्रो के मानसरोवर डिपो पर 100 KWP क्षमता का सौलर पावर प्लांट स्थापित किया गया है। Regenerative braking के माध्यम से भी बिजली उत्पन्न की जा रही है। इस तरह उत्पन्न विद्युत ऊर्जा को ग्रिड से जोड़ा जाकर ट्रेन संचालन में उपयोग किया जा रहा है।
- 'डिजीटल इंडिया' मिशन के तहत जयपुर मेट्रो में यात्रियों की सुविधा हेतु स्वचालित टिकिट वेन्डिंग मशीन (टीवीएम) एवं स्मार्ट कार्ड का प्रावधान किया गया है। वर्तमान में जयपुर मेट्रो के करीब 80 प्रतिशत यात्री टीवीएम का उपयोग कर रहे हैं और करीब 40 हजार मेट्रो यात्रियों के पास स्मार्ट कार्ड हैं जो मेट्रो स्टेशनों पर एवं घर बैठे कहीं से भी ऑनलाईन वेब रिचार्ज किये जा सकते हैं।
- नई पीढी को सामुदायिक यात्रा के तहत विश्वस्तरीय सार्वजनिक परिवहन प्रणाली से जोड़ने के लिए स्कूली बच्चों को सात माह में मेट्रो के शैक्षिक एवं तकनीकी भ्रमण हेतु आमंत्रित किया गया। जिससे 250 विद्यालयों के 52,000 बच्चों एवं उनके शिक्षकों ने मेट्रो यात्रियों के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज की है।
- 'बिजली बचाओ देश बनाओ' अभियान के तहत 12,800 एलईडी लाईट्स जयपुर मेट्रो के 9 किमी लम्बे एलीवेटेड मार्ग पर लगाई गई हैं। यह भारत के किसी भी रेलवे नेटवर्क पर बनी सबसे लंबी एलईडी स्काई लाईन है। संचालन के पहले 7 माह में कई अभिनव प्रयोग कर मेट्रो के बिजली खर्च में 25 प्रतिशत तक की कटौती की गई है।
- 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' मिशन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए, जयपुर मेट्रो के श्याम नगर मेट्रो स्टेशन को एक 'महिला शक्ति रेलवे स्टेशन' के रूप में विकसित किया गया है, जहां सभी मेट्रोकर्मी महिलाएँ हैं।

- धात्री माताओं के लिए चांदपोल व मानसरोवर मेट्रो स्टेशनों पर शिशु को दूध पिलाने के लिए विशेष कक्ष (अमृत कक्ष) बनाए गए हैं। साथ ही गर्भवती व धात्री महिलाओं के लिए प्रत्येक मेट्रो ट्रेन में चार सीटें विशेष रूप से आरक्षित की गई हैं।

- यात्रियों की सुविधा एवं साथ ही राजस्व अर्जन के लिए फेज–1ए के सभी स्टेशनों पर विभिन्न बैंकों के कुल 30 ATM लगाए गए हैं।

- इसी प्रकार राजस्व अर्जन एवं मेट्रो कोरिडोर में मोबाइल कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए 8 मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश/निकास की छत पर टेलीकोम टावर लगाने के लिए जगह किराए पर दी गई है जिन पर कार्य चल रहा है। चांदपोल भूमिगत मेट्रो स्टेशन एवं मानसरोवर डिपो में Mobile In-building Solution के लिए जगह किराए पर दी गई है।

- जयपुर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट फेज–1बी के अन्तर्गत टनल निर्माण का कार्य प्रारम्भ किया जाकर एक किलो मीटर की लम्बाई में टनल निर्माण का कार्य पूरा किया जा चुका है।

- छोटी चौपड व बडी चौपड पर पुरातात्विक रूप से उपयुक्त तरीके से खुदाई की जाकर 150 वर्ष पूर्व जमींदोज हो चुके दो पुराने ऐतिहासिक जलकुण्डों को बाहर निकाला गया है। जयपुर वासियों की इस खोई हुई धरोहर को बहाल करने हेतु चौपडों पर मेट्रो की खुदाई के दौरान अनावृत हुऐ इन दोनो जलकुण्डो को मेट्रो स्टेशन निर्माण का कार्य पूर्ण होने के उपरान्त उसी स्थान पर मूल स्वरूप में पुर्नस्थापित करने का निश्चय किया गया है।

7. वित्तीय प्रगतिः

- जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के गठन से 31 दिसम्बर, 2015 तक परियोजना के प्रथम चरण (अनुमानित लागत रू. 3149 करोड़) हेतु विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त राशि का विवरण निम्न प्रकार है :

स्त्रोत	प्राप्त राशि (रू. करोड़ में)
राज्य सरकार से अंशपूंजी/ऋण/अनुदान	1843.04
राज्य सरकार से ADB ऋण के रूप में प्राप्त	103.64
जयपुर विकास प्राधिकरण से अनुदान	119.81
रीको लि0 से अंशपूंजी/ऋण	100.00
राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड से अंशपूंजी/ऋण	100.00
कुल प्राप्त राशि	**2266.49**

- इसमें से वित्तीय वर्ष 2015–16 के दौरान माह दिसम्बर, 2015 तक प्राप्त राशि का विवरण निम्नानुसार है :–

विवरण	प्राप्त राशि (रू. करोड़ में)
राज्य सरकार से ऋण	100.00
राज्य सरकार से ADB ऋण के रूप में प्राप्त	36.30
कुल प्राप्त राशि	**136.30**

- इसके अतिरिक्त, जयपुर मेट्रो फेज–1ए के वाणिज्यिक संचालन की हानि की प्रतिपूर्ति हेतु वर्ष 2015–16 में राज्य सरकार की राजस्थान परिवहन आधारभूत विकास निधि से रू. 10.00 करोड़ सहायतार्थ अनुदान मद में प्राप्त हुए हैं।
- नवम्बर, 2013 में केन्द्र सरकार ने जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन को राज्य सरकार व केन्द्र सरकार का संयुक्त उपक्रम बनाने की शर्त पर, जयपुर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के प्रथम चरण के लिए 630 करोड़ रू. की वित्तीय सहायता अंशपूंजी एवं ऋण के रूप

में स्वीकृत की थी, परंतु राज्य सरकार ने यह राशि सहायता अनुदान के रूप में जारी करने का आग्रह किया है। भारत सरकार ने इस पर अपनी सहमति नहीं दी है इसलिए अभी तक भारत सरकार से कोई राशि प्राप्त नहीं हुई है।

- जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन द्वारा कॉरपोरेशन के गठन से माह दिसम्बर, 2015 तक परियोजना के प्रथम चरण के निर्माण कार्यों पर पूँजीगत व्यय रूपये 2151.20 करोड़ तथा संचालन एवं प्रशासनिक गतिविधियों पर रूपये 95.56 करोड़ का व्यय किया जा चुका है। इस प्रकार अब तक कुल रूपये 2246.76 करोड़ का व्यय किया गया है। इसमें से वित्तीय वर्ष 2015–16 के दौरान माह दिसम्बर, 2015 तक रूपये 116. 42 करोड़ का पूँजीगत व्यय तथा संचालन एवं प्रशासनिक गतिविधियों पर रूपये 28. 54 करोड़ का व्यय किया गया है। वर्ष 2015–16 में कुल व्यय रू. 144.96 करोड़ किया गया है। वर्ष 2015–16 (दिसम्बर, 2015 तक) का आय व्यय विवरण निम्न प्रकार है :–

(Rs. in Crore)

A.	Capital Receipts & Expenditure			
	Receipts	2015-16	Expenditure	2015-16
	Loans :		Phase-I (A)	65.46
	GoR	100.00	Phase-I (B)	50.56
	ADB	36.30	Procurment of Other Fixed Assets	0.40
	Total - A	136.30	Total - A	116.42
B.	Operational Receipts & Expenditure			
	Fare Box Revenue	6.86	Admin. Expense of O&S Directorate	
	Non - Fare Box Revenue	0.65	(a) Salary & Allowances	9.36
			(b) Operation Exp.	9.94
			(c) Office exp.	0.51
	Total - B	7.51	Total - B	19.81
C.	Administrative Receipts & Expenditure			
	Interest and other income	2.65	Salary & Allowances	5.92
			Office Expenditure	2.81
	Total - C	2.65	Total - C	8.73
	Grant from RTIDF	10.00		